

आर.मीनाक्षी सुन्दरम्

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

डेरी विकास विभाग,

उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-02

विषय- वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिये अनुपूरक मांग के माध्यम से निदेशन तथा प्रशासन हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3328-29/लेखा०/अनुपूरक बजट प्रस्ताव प्रेषण पत्रा/2017-18, दिनांक 27 जनवरी, 2018 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिये अनुपूरक मांग के माध्यम से अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2404-डेरी विकास-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-दुध सप्लाई अधिष्ठान के अन्तर्गत निम्नानुसार मदवार हुई बजट व्यवस्था हेतु कुल धनराशि रु० 5981 हजार (रूपये उनसठ लाख इक्कयासी हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वतन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु० हजार में)

क्र.सं.	मानक मद का नाम	वर्ष 2017-18 के लिए प्रथम अनुपूरक बजट प्राविधान	अवमुक्त की जा रही धनराशि
1.	01 वेतन	5000	5000
2.	03-महंगाई भत्ता	831	831
4.	06-अन्य भत्ते	150	150
	योग-	5981	5981

- निदेशक, डेरी विभाग द्वारा अवमुक्त की जा रही धनराशि की फॉट कर तत्काल जिला स्तरीय अधिकारियों को एवं शासन को अवगत कराया जायेगा। फॉट इस प्रकार की जायेगी कि निदेशालय एवं जनपदों में कार्मिकों की संख्या एवं देयता को मध्य नजर रखते हुए पर्याप्त धनराशि आबंटित की जाये ऐसा न हो कि एक जनपद में अधिक बजट दे दिया जाय जबकि अन्य जनपदों में बजट की कमी रह जाये।
- निदेशक, डेरी द्वारा बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक सहित बजट की सीमा तक प्रपत्र बी०एम०-८ पर व्यय वितरण शासन के प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को प्रत्येक माह की अगली 05 तारीख तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाय।
- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

Y

4. व्यय करते समय मितव्ययिता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस संबंध में वेतन आदि मदों में अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययता सुनिश्चित करने के लिये तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेतर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित करें।
5. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्यौरमेन्ट रॉल्स 2017, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों, डी०जी.एसन.एन.डी. की दरें, टेंडर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।
6. किसी भी दशा में एक मद की धनराशि दूसरे मद में व्यय नहीं की जाये अन्यथा की स्थिति में सक्षम अधिकारी का पूर्णतः उत्तरदायित्व होगा, जो बिल को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाय उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जाय।
7. सुनिश्चित किया जाय कि (वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड 5 भाग-1 के पैरा-162) समस्त आहरित अग्रिमों का समायोजन आहरण-वितरण अधिकारियों द्वारा 30 दिनों के अन्दर कर दिया जाय तथा डीटेल्ड कन्टीजेन्ट (डी०सी०) बिल महालेखाकार को भेज दिये जाय। विभिन्न अग्रिमों का आहरण अधिकारों के प्रतिनिधायन 2010 में दी गयी सीमाओं के अनुसार ही किया जाय।

2— उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-03-दुग्ध सप्लाई अधिष्ठान के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1362/3/150//XXVII(1)/2017, दिनांक 27 दिसम्बर, 2017 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आर.मीनाक्षी सुन्दरम्)
सचिव।

संख्या— ७० (०१)/xv-2/2016 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

1. महालेखाकार, ओबराय मोर्टर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
3. कोषाधिकारी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड।
6. गार्ड पत्रावली।

आज्ञा से,

(वी०एस० पुन्डीर)
उप सचिव।